Name :- Avnish Kumar.
Class :- XII th

पवित्र आजादी

प्रस्तावना :- 15 अगस्त 1947 एक ऐसी तिथि है जिसे हमारे इतिहास में सुनहरे अक्षरों से लिखा गया है। एक ऐसा दिन जब भारत आजाद हुआ, अंग्रेज भारत छोड़ने पर मजबूर हो गए थे। हमें दो सौ वर्ष की गुलामी से आजादी मिली थी और शायद यह यही वजह है कि आज भी हम इसे बड़े धूम-धाम से मनाते हैं।

आजादी का रंगीन पर्व :- स्वतंत्र भारत में इस पर्व को मनाने के तरीके अलग-अलग हैं। हफ्ते भर पहले से बाजारों में रौनक आ जाती है, कहीं तीन रंगों कि रंगोली बिकती है, तो कहीं तीन रंगों कि लाइटें। पूरा समा ही मानो इन रंगों में समा जाता है। हर तरफ देश भक्ति के गीतों की झंकार होती है। पूरा देश नाचते गाते इस उत्सव को मनाता है।

स्वतंत्रता सेनानीयों का योगदान :- हमारे स्वतंत्रता सेनानी जैसे गाँधी जी, सुभाष चंद्र बोस, चंद्रशेखर आजाद, जिनका आजादी के लिए संघर्ष में अतुल्य योगदान रहा है। गाँधी जी ने देश से कई कुप्रथा को हटाने के लिए कुलजोर प्रयास किए, जिसकी वजह से यह लड़ाई और आसान हो गई। उनके लिए लोगों का प्यार ही था जो लोग उन्हें बापू बुलाते थे।

निष्कर्ष :- जैसा कि स्वतंत्रता दिवस हमारा राष्ट्रीय पर्व है, इस दिन के लिए राष्ट्रीय अवकाश घोषित किया गया है और स्कूल, कॉलेज, सरकारी कार्यालय सब बंद रहते हैं। लेकिन यह लोगों का उत्साह ही है जो इस दिन को मनाने के लिए सब एक जुट होते हैं और बड़े हर्ष उल्लास के साथ इस पर्व स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन किया जाता है, तिरंगा फहराया जाता है।

जय हिंद

जय भारत